भारत-फ्रांस संबंध

राजनैतिक सम्बंध :

भारत एवं फ्रांस के संबंधों को युक्तिसंगत भागीदारी के साथ 1998 में जोड़ा गया था। यह हमारे परम्परागत मैत्रीपूर्ण वास्तविक सम्बंधों की पराकाष्ठा थी जहां राष्ट्राध्यक्ष एवं शासनाध्यक्ष के स्तर की यात्राओं के नियमित आदान-प्रदान होते रहते थे और वाणिज्यिक आदान-प्रदानों में वृद्धि हो रही है जिसमें रक्षा, परमाणु और अंतरिक्ष आदि जैसे युक्ति संगत क्षेत्र सम्मिलित हैं। अंतर्राष्ट्रीय परमाणु ऊर्जा अभिकरण और परमाणु आपूर्तिकर्ता समूह द्वारा अंतर्राष्ट्रीय समुदाय के साथ संपूर्ण नागरिक परमाणु ऊर्जा सहयोग के साथ भारत को शुरू करने के लिए सक्षम बनाये जाने के बाद फ्रांस प्रथम देश था जिसके साथ भारत ने परमाणु ऊर्जा पर समझौते में प्रवेश किया था। भावी महत्वपूर्ण क्षेत्रों में आज हमारे संबंध बहुत तेजी से आगे बढ़ रहे हैं और सहयोग की एक व्यापक श्रृंखला, राजनैतिक, आर्थिक, सांस्कृतिक आदि क्षेत्रों तथा रक्षा अंतरिक्ष, विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी तथा शिक्षा आदि में फैले हुए हैं। भारत के अंतर्राष्ट्रीय मंचों पर बढ़ती भूमिका में फ्रांस लगातार अपना समर्थन देता रहा है, जिनमें संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में भारत की स्थायी सदस्यता सम्मिलित है।

प्रमुख यात्रायें :

हाल के वर्षों में द्विपक्षीय आदान प्रदान के उच्च स्तरीय आवेग बने रहे है। भारत के साथ रणनीतिक भागीदारी को फ्रांस द्वारा दिये जा रहे महत्व का यह स्पष्ट संकेत है कि फ्रांस के राष्ट्रपति द्वारा एशिया की अपनी एक द्विपक्षीय यात्र के लिए भारत को प्रथम देश के रूप में चुना गया था। महामहिम राष्ट्रपति श्री फ्रैक्वायस हॉल्लाण्डे श्रीमती वलेरी ट्रायरविलर के साथ भारत की राजकीय यात्रा पर 14-15 फरवरी, 2013 की अवधि में आये थे। महामहिम राष्ट्रपति के साथ 6 सदस्यीय एक मंत्री स्तरीय प्रतिनिधि मण्डल तथा एक विशाल व्यवसायिक प्रतिनिधि मण्डल भी साथ आया था। राष्ट्रपति महोदय द्वारा हमारे माननीय प्रधान मंत्री मनमोहन के साथ वार्तायें की गयी थीं और प्रतिनिधि मण्डल स्तरीय वार्ताओं के समापन पर एक संयुक्त विज्ञप्ति जारी किया गया था। भारत के माननीय राष्ट्रपति महोदय

द्वारा एक संध्याकालीन राजकीय भोज की मेजबानी की गयी थी। महामहिम राष्ट्रपति महोदय से संयुक्त प्रगतिशील गठबंधन की अध्यक्षा श्रीमती सोनिया गांधी, विदेश मंत्री, नेता प्रतिपक्ष और महाराष्ट्र के माननीय राज्यपाल महोदय आदि मिले थे। राष्ट्रपति महोदय ने मुम्बई में भारतीय व्यावसायिक नेताओं के साथ अंतर्क्रिया-कलाप किया था। राष्ट्रपति महोदय की यात्रा अवधि में चार प्रमुख समझौतों पर हस्ताक्षर किये गये थे जिनमें (1) सांस्कृतिक आदान प्रदान (2) शिक्षा एवं अनुसंधान के क्षेत्र में सहयोग पर तीव्रता लाने के लिए मंतव्य पत्र (3) दीघ्रकालिक अंतरिक्ष सहयोग के लिए मंतव्य वक्तव्य (4) रेल के क्षेत्र में सहयोग का अनुकरण एवं सशक्तीकरण पर संयुक्त वक्तव्य आदि सम्मिलित थे। इसके अतिरिक्त शिक्षा, विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी आदि क्षेत्रों में समझौतों की एक श्रृंखला पर हस्ताक्षर किये गये थे।

भारत के माननीय विदेश मंत्री श्री सलमान खुर्शीद फ्रांस के महामहिम राष्ट्रपति की फरवरी में होने वाली राजकीय यात्रा की तैयारी में पेरिस की एक सरकारी यात्रा पर 10-11 जनवरी, 2013 की अवधि में गये थे। मंत्री महोदय ने अपनी यात्रा की अवधि में फ्रांस की अपनी प्रतिमूर्ति माननीय विदेश मंत्री श्री लॉरेन्ट फैबियस तथा माननीया पारिस्थितिकी, सतत विकास, परिवहन एवं ऊर्जा मंत्री श्रीमती डेलफाइन बाथो और माननीया उच्च शिक्षा एवं अनुसंधान मंत्री श्रीमती जेनेवाइवे फायोरासो आदि के साथ आयोजित वार्ताओं में भाग लिया था। भारत से फ्रांस के लिए की गयीं अन्य प्रमुख यात्राओं में माननीया संस्कृति मंत्री की यात्रा अप्रैल, 2013, माननीय शहरी विकास मंत्री जून, 2013, माननीय नागर विमानन मंत्री द्वारा 50वें एयर-शो में भाग लेने के लिए की गयी जून, 2013 की यात्रा और माननीय वाणिज्य एवं उद्योग तथा कपड़ा मंत्री की मई एवं पुनः जुलाई, 2013 की यात्रायें आदि सम्मिलित हैं।

फ्रांस के माननीय रक्षा मंत्री श्री जीन-यवेस ले ड्रायान भारत के रक्षा मंत्री के साथ वार्ता करने के लिए 25 से 27 जुलाई, 2013 की अवधि में भारत की यात्रा पर आये थे।

फ्रांस के माननीय रक्षा मंत्री श्री जेयान येवेस ली ड्रायन भारत की यात्रा पर 25-27 जुलाई, 2013 की अवधि में आये थे। फ्रांस के माननीय महिला अधिकार मंत्री एवं फ्रांस सरकार के प्रवक्ता भारत की यात्रा पर अक्टूबर, 2013 की अवधि में आये थे।

संवाद के लिए संस्थागत संरचना :

फ्रांस और भारत ने अपने राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकारों के स्तर पर एक रणनीतिक संवाद की स्थापना की है जिसके 24वें दौर की बैठक का आयोजन नई दिल्ली में 4 सितम्बर, 2012 को हुआ था। राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार महोदय ने फ्रांस के माननीय राष्ट्रपति के राजनयिक सलाहकार श्री पॉल जीन ऑर्टिज के साथ नई दिल्ली में 12 जुलाई, 2013 को आयोजित वार्ता में भाग लिया था। पिछली दौर की बैठक का आयोजन पेरिस में 30 जनवरी, 2014 को हुआ था। विदेश सचिव स्तरीय विदेश कार्यालय परामर्श की वार्षिक बैठक के ताजे दौर का आयोजन पेरिस में 17 जून, 2013 को किया गया था। इसी अवधि में राजनयिक पार-पत्र धारकों के अल्पकालिक प्रवास को वीजामुक्त किये जाने के एक समझौते पर हस्ताक्षर किये गये थे।

आतंकवाद का सामना करने पर गठित संयुक्त कार्यदल की तृतीय बैठक का आयोजन नई दिल्ली में 19-20 नवम्बर, 2012 को किया गया था। भारत-फ्रांस साइबर संवाद का आयोजन पेरिस में 24 मई, 2013 को हुआ था। भारत के पर्यवेक्षक अनुसंधान संस्थान और फ्रांस के अंतर्राष्ट्रीय अध्ययन एवं अनुसंधान (सी ई आर आई, विज्ञान पी ओ-पेरिस) के बीच भारत-फ्रांस वार्षिक संवाद-ट्रैक 1.5 के प्रथम दौर की बैठक का आयोजन 23 मई, 2013 को किया गया था। रक्षा सहयोग के लिए रक्षा सचिवों के स्तर पर एक उच्च स्तरीय समिति (एच सी डी सी) की बैठक का आयोजन नई दिल्ली में 26-27 अप्रैल, 2012 को किया गया था। भारत-फ्रांस अनुसंधान मंच (आई एफ आर एफ) की 11वीं बैठक का आयोजन पेरिस में 17 से 19 दिसम्बर, 2012 की अवधि में किया गया था। आर्थिक एवं तकनीकी सहयोग के लिए माननीय वाणिज्य मंत्रियों के स्तर पर गठित संयुक्त समिति के 16वें सत्र का आयोजन 23 से 25 जून, 2010 को पेरिस में किया गया था। मुख्य कार्यपालक अधिकारी मंच के 6वें संस्करण का आयोजन पेरिस में 8-9 जुलाई, 2013 को किया गया था। भारत और प्रांस के

वित्त मंत्रालयों के बीच प्रथम वार्षिक आर्थिक एवं वित्तीय संवाद का आयोजन पेरिस में अक्टूबर, 2013 की अवधि में किया गया था। सतत विकास पर गठित संयुक्त कार्यदल की भी प्रथम बैठक का आयोजन पेरिस में सितम्बर, 2013 की अवधि में किया गया था। सूचना प्रौद्योगिकी पर गठित संयुक्त कार्यदल की भी 9वीं बैठक का आयोजन पेरिस में अक्टूबर, 2013 की अवधि में किया गया था।

द्विपक्षीय व्यापार एवं निवेश सहयोग :

द्विपक्षीय व्यापार:

भारत-फ्रांस द्विपक्षीय व्यापार वर्ष, 2012 की अवधि में 6% की दर से बढ़ते हुए वर्ष, 2013 (जनवरी-अक्टूबर) महीनों की अवधि में कमजोर मांग के कारण प्रमुख रूप से फ्रेंच निर्यात और भारतीय आयातों में आयी गिरावट से वर्ष, 2013 के प्रथम 10 महीनों की अवधि में 1.05 बिलियन यूरो का एक व्यापार अधिशेष दर्ज किया गया था जो वर्ष, 2012 की अवधि की तुलना में लगभग 80% की वृद्धि दर्शाता है। वर्ष, 2013 के अक्टूबर माह में भारत और फ्रांस के बीच मालों के हुए कुल व्यापार वर्ष, 2012 की अवधि की तुलना में लगभग 6.2% की गिरावट को दर्शाते हुए 6.8 बिलियन यूरो पर आ गये थे। भारत के निर्यात में 3.3% की गिरावट आयी थी जबकि फ्रेंच निर्यात 10.2% तक गिर गया था। भारत द्वारा फ्रांस को किये जा रहे निर्यात में सर्वाधिक गिरावट शोधित पेट्रोलियम में आयी थी जो लगभग 40% तक कम हो गया था। भारत द्वारा फ्रांस को किये जा रहे सिले-सिलाये वस्त्रों एवं कपड़ों के निर्यात जैसी सर्वोच्च वस्तुऐं जिनमें लगातार बढ़त बनी हुई थी, वे भी 3.65% पर सिमट गयी थीं।

प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (एफ डी आई) के अनुमोदन :

भारत में 750 से अधिक फ्रेंच कंपनियों की पूर्व में उपस्थिति के साथ फ्रांस, भारत के लिए प्रत्यक्ष विदेशी निवेश का एक प्रमुख स्रोत बनकर उभरा है। भारत को फ्रेंच कंपनियों द्वारा लगातार एक आकर्षक निवेश गंतव्य के रूप में देखा जा रहा है। यद्यपि, फ्रेंच लघु एवं मध्यम उद्यमों द्वारा अभी तक भारत में व्यापक निवेश नहीं किया गया है। फ्रांस से प्रत्यक्ष विदेशी निवेश को आकर्षित करने वाले सर्वोच्च क्षेत्रों में रसायन (उर्वरक को छोड़कर), सीमेंट

और जिप्सम उत्पादन, सेवा क्षेत्र (वित्तीय एवं गैर वित्तीय), ईंधन (ऊर्जा एवं तेल शोधन), विद्युतीय उपकरण (कम्प्यूटर साफ्टवेयर और इलेक्ट्रॉनिक्स सम्मिलित) तथा वाहन क्षेत्र आदि सम्मिलित हैं। भारत में लगभग 800 फ्रेंच कंपनियों की उपस्थिति (सहायक कंपनियां अथवा संयुक्त उद्यमों, प्रतिनिधि कार्यालयों अथवा शाखा कार्यालयों और 1,50,000 कर्मियों) के साथ विद्यमान है। इनमें सम्मिलित प्रमुख फ्रेंच कंपनियों में मै. कैपजेमिनी, मै. स्चेनिदर इलेक्ट्रिक, मै. लार्फार्ज, मै. रिनॉल्ट, मै. सनोफी अवेन्टीस, मै. एसीलॉर, मै. बी एन पी पैरीबास, मै. लौइस ड्रायफुस, मै. अर्माच्योर्स, मै. अल्सटोम, मै. अरेवा, मै. सैट-गोबेन, मै. ओनेक्स, मै. परनोद रिकार्ड, मै. अल्काटेल लुसेन्ट, मै. लौइस वुइट्टॉन, मै. एल'ऑरेल, मै. जी डी एफ, मै. टोटल, मै. डैनोन, मै. एयर लिक्युडे, मै. विसी, मै. वियोलिया, मै. वीकैट इत्यादि सम्मिलित हैं। भारतीय कंपनियों द्वारा भी फ्रांस में निवेश किया गया है। वे फ्रांस में निवेश अवसरों की ओर लगातार देख रही हैं जिनमें लार्सन एण्ड टुब्रो, ट्रांस एसिया बायो मेडिकल तथा टी सी एस आदि के द्वारा किये जा रहे अधिग्राहण सम्मिलित हैं।

नागरिक परमाणु ऊर्जा सहयोग :

हमारे माननीय प्रधान मंत्री डॉ0 मनमोहन सिंह की फ्रांस यात्रा की अवधि में भारत और फ्रांस के बीच एक मील का पत्थर बने नागरिक परमाणु ऊर्जा के सहयोग समझौते पर हस्ताक्षर 30 सितम्बर, 2008 को किये गये थे। बाद में फ्रांस के महामहिम राष्ट्रपति निकोलस सरकोजी भारत की यात्रा पर 4 से 7 दिसम्बर, 2010 की अवधि में आये थे और उनकी यात्रा की अवधि में एक सामान्य संरचना समझौता और एन पी सी आई एल तथा अरेवा के बीच जैतापुर की ई पी आर, एन पी पी इकाईयों के क्रियान्वन पर शीघ्रता से कार्य करने के समझौते पर हस्ताक्षर किये गये थे।

अंतरिक्ष सहयोग :

फ्रांस और भारत अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी एवं अनुप्रयोगों में एक दूसरे को महत्वपूर्ण भागीदार के रूप में देखते हैं। भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) और इसकी फ्रेंच प्रतिमूर्ति सेंटर नेशनल एटुडेज स्पैटियेल्स (सी एन ई एस) के सहयोग और संयुक्त उद्यम का लगभग चार

दशकों का एक समृद्धशाली इतिहास रहा है। इन दोनों राष्ट्रों के वैज्ञानिक समुदाय संयुक्त रेडियोधर्मी अनुसंधान, अंतरिक्ष, घटकों के विकास और अंतरिक्ष शिक्षा में सहयोग करते हैं। भारत के उन्नत मौसम उपग्रह, इंसेट-3डी का प्रक्षेपण 25 जुलाई और भारत के उन्नत संचार उपग्रह जी एस ए टी-7 29 अगस्त, 2013 को फ्रेंच गयाना के कौरव से आरियन के बोर्ड से छोड़ा गया था।

एक विज्ञान गोष्ठी एवं अनुसंधान तथा प्रौद्योगिकी कार्यशाला आदि के आयोजन बंगलौर में 5-6 फरवरी, 2013 की अवधि में किये गये थे और इसरो तथा सी एन ई एस द्वारा संयुक्त रूप से आगे सहयोग के लिए क्षेत्रों को चिंहित किया गया था। अंतरिक्ष निगम लि0 के बीच वाणिज्यिक संचालन सेवा समझौते के अंतर्गत और ई ए डी एस' के अंतर्गत संचालित फ्रांस की एक कंपनी आस्ट्रीयम एस ए एस द्वारा निर्मित एक उन्नत दूरस्थ बोध उपग्रह-स्पाट-6 को आस्ट्रीयम एस ए एस द्वारा इसरो के ध्रुवीय उपग्रह प्रक्षेपण यान के बोर्ड पर सफलतापूर्वक 9 सितम्बर, 2012 को प्रक्षेपित किया गया था। फ्रांस में आधारित आरियन अंतरिक्ष भारतीय भूतल स्थित उपग्रहों के लिए प्रमुख प्रक्षेपण सेवायें प्रदान करता है। एक संयुक्त सहयोग से प्रक्षेपित एप्पिल उपग्रह के बाद भारत के 17 भूतल स्थित उपग्रहों के प्रक्षेपण आरियन द्वारा एक वाणिज्यिक आधार पर किये गये थे।

रक्षा सहयोग :

भारत-फ्रांस रक्षा सहयोग समझौते के अंतर्गत संरचित वार्ताओं की रूपरेखा के अंतर्गत औद्योगिक संयुक्त उद्यमों एवं सेवा आदान प्रदानों पर अनेक बैठकों के आयोजन नियमित रूप से होते रहे हैं। रक्षा सचिवों के स्तर पर रक्षा सहयोग की उच्च स्तरीय समिति (एच सी डी सी) की बैठक का आयोजन नई दिल्ली में 26-27 अप्रैल, 2012 की अवधि में किया गया था। भारत-फ्रांस अनुसंधान मंच (आई एफ आर एफ) की 11वीं बैठक का आयोजन पेरिस में 17 से 19 दिसम्बर, 2012 की अवधि में हुआ था।

भारत-फ्रांस के प्रथम संयुक्त सेना अभ्यास 'शक्ति' का संचालन भारत के चौबतिया में 9 से 22 अक्टूबर, 2011 की अवधि में किये गये थे। भारत-फ्रांस के संयुक्त सेना अभ्यास 'शक्ति-

13' का संचालन फ्रेंच अलप्स में सितम्बर, 2013 की अवधि में किये गये थे। भारत-फ्रेंच वायु सेना अभ्यास गरुण-चतुर्थ का आयोजन फ्रांस के ईसट्रेस वायुसेना बेस में 14 से 25 जून, 2010 की अवधि में किये गये थे। भारत-फ्रांस नौसेना अभ्यास 'वरुण' का आयोजन भू-मध्य सागर के तौलान बंदरगाह पर 19 से 22 जुलाई, 2012 की अवधि में किया गया था। शक्ति नामक प्रथम भारत-फ्रांस संयुक्त सैन्य अभ्यास का संचालन भारत के चौबटिया में 9 से 22 अक्टूबर, 2011 की अवधि में किया गया था। भारत सरकार ने मै. डासौल्ट अवीएशन, फ्रांस से रफाले का चयन भारतीय वायु सेना के लिए 126 एम एम आर सी ए' का अर्जन करने के लिए किया था। अनुबंध पर समझौता वार्तायें वर्तमान में चल रही हैं।

सांस्कृतिक सहयोग :

भारतीय कला, संगीत, नृत्य, सिनेमा एवं साहित्य के संपूर्ण प्रतिबिम्ब फ्रांस में यत्र-तत्र सर्वत्र व्याप्त हैं जिन्हें अनेकों सांस्कृतिक कार्यक्रमों के बारम्बार आयोजन में एकत्र होने वाली फ्रेंच जनसंख्या के बेकरार दर्शकों की भारी भीड़ द्वारा भारतीय संस्कृति का व्यापक रूप से आनंद लूटते देखा जा सकता है। महामहिम राष्ट्रपति हालैण्डे की भारत यात्रा फरवरी, 2013 की अवधि में सांस्कृतिक आदान प्रदान कार्यक्रम (सी ई पी) पर वर्ष 2013-15 की अवधि के लिए हस्ताक्षर किये गये थे। भारतीय संस्कृति संबंध परिषद (आई सी सी आर) द्वारा भारतीय कलाकारों के एक दल तथा कला और संस्कृति के क्षेत्र में छात्रों के आदान प्रदान के लिए एक दल आदि की फ्रांस यात्राओं को वर्ष, 2013 की अवधि में प्रायोजित किया गया था। सरकारी आदान प्रदानों के अधिकार क्षेत्र के बाहर भी भारतीय कलाकारों के द्वारा फ्रांस में अनेकों बार अपनी कलाओं के उल्लेखनीय प्रदर्शन वाणिज्यिक आधार पर अथवा विभिन्न स्थानीय सांस्कृतिक संघों के निमंत्रण पर किये गये हैं।

फ्रांस के माननीय राष्ट्रपति की भारत यात्रा दिसम्बर, 2010 की अवधि में दोनों देशों में सिनेमा के महत्व को दृष्टिगत रखते हुए और इस क्षेत्र में सहयोग को विस्तार प्रदान किये जाने की इच्छा को देखते हुए एक संशोधित भारत-फ्रेंच द्विपक्षीय फिल्म सह-निर्माण समझौते पर हस्ताक्षर किये गये थे। 15 महीनों की लम्बी अवधि के भारतीय सांस्कृतिक पर्व "नमस्ते

फ्रांस'' का आयोजन 14 अप्रैल, 2010 से 28 जून, 2011 की अवधि में किये गये थे। इस पर्व में भारतीय संस्कृति का एक विस्तारित प्रतिनिधित्व था जिसमें कला, संगीत, नृत्य, फैशन, फिल्म और साहित्य तथा व्यवसाय एवं शिक्षा आदि भी सम्मिलित थे। इस पर्व का आयोजन, भारत में फ्रेंच राजदूतावास द्वारा वर्ष, 2009-10 की अवधि में 'बॉनजौर इण्डिया' के शीर्षक से आयोजित एक फ्रेंच सांस्कृतिक पर्व के प्रत्युत्तर में किया गया था। फ्रेंच राजदूतावास द्वारा भारत में 'बॉनजौर भारत' के द्वितीय संस्करण का सफलतापूर्वक आयोजन जनवरी-मार्च, 2013 की अवधि में किया गया था। फ्रांस में 'नमस्ते फ्रांस' के द्वितीय संस्करण का आयोजन होना शेष है। वर्ष, 2013 को भारतीय सिनेमा के शताब्दी वर्ष के रूप में मनाये जाने के लिए फ्रांस में विभिन्न फिल्म समारोहों का आयोजन किया जा रहा है जिसके संपूर्ण अवधारणात्मक आयोजन भारतीय सिनेमा को समर्पित हैं, जिसमें सुप्रसिद्ध अंतर्राष्ट्रीय केन्स फिल्म समारोह भी सम्मिलित है।

शिक्षा एवं तकनीकी सहयोग :

भारत और फ्रांस के बीच द्विपक्षीय शिक्षा सहयोग विगत कुछ वर्षों की अवधि में विकसित हुआ है। मैसन डे एल'इण्डे (एफ एम डी एल) के एक एनेक्सी की निर्माण परियोजना जिसका शुभारंभ जुलाई, 2012 में हुआ था को अक्टूबर, 2013 में पूरा कर लिया गया था। परियोजना विस्तार के अंतर्गत वर्तमान एम डी एल भवन के संनिकट 72 अतिरिक्त कक्षों के निर्माण किये गये हैं। भारत-फ्रांस प्रौद्योगिकी शिखर सम्मेलन का आयोजन नई दिल्ली में अक्टूबर, 2013 की अवधि में किया गया था और इसमें सरकार/अनुसंधान संगठनों, विश्वविद्यालयों और कंपनियों आदि से 500 से अधिक भारतीय प्रतिनिधियों तथा 300 फ्रेंच प्रतिनिधियों द्वारा भाग लिया गया था। प्रौद्योगिकी-व्यवसाय भागीदारी की संभावनाओं का पता लगाने के लिए 750 बी2बी बैठकों के आयोजन किये गये थे। इस शिखर सम्मेलन की अवधि में विभिन्न क्षेत्रों की 50 से अधिक भारतीय एवं फ्रेंच प्रौद्योगिकी कंपनियों द्वारा एक प्रदर्शनी का आयोजन किया गया था। इस के अतिरिक्त शिखर सम्मेलन की अवधि में 11 संयुक्त विज्ञप्तियों पर भी हस्ताक्षर किये गये थे। द्विपक्षीय आदान प्रदान कार्यक्रमों के अंतर्गत अनेक भारतीय छात्र एवं अध्येतावर्ग फ्रांस की यात्रा पर गये हैं। वर्ष, 2012 की अवधि में

लगभग 2500 भारतीय छात्र फ्रांस में अध्ययन प्राप्त कर रहे थे। भारतीय एवं फ्रेंच विश्वविद्यालयों एवं निजी संस्थानों के बीच 300 के आस-पास संयुक्त विज्ञप्तियों पर हस्ताक्षर किये गये है। द्विपक्षीय शिक्षा के क्षेत्र में राजस्थान में आई आई टी परियोजना एक महत्वपूर्ण पहल है। एक मंतव्य पत्र पर हुए हस्ताक्षर के अंतर्गत उच्च शिक्षा एवं अनुसंधान संस्थानों का एक फ्रेंच समूह द्वारा आई आई टी राजस्थान में अनुसंधान एवं अध्यापन के लिए संकाय सदस्यों, विशेषज्ञों, शिक्षाविदों एवं छात्रों को भेजेगा। फ्रेंच पक्ष राजस्थान के 'आई आई टी' में तीन उत्तम् केन्द्रों/अनुसंधान प्रयोगशालाओं की स्थापना भी करेगा।

भारत-फ्रेंच उन्नत अनुसंधान संवर्धन केन्द्र (सी ई एफ आई पी आर ए) द्वारा मौलिक एवं अनुप्रायोगिक अनुसंधान में द्विपक्षीय वैज्ञानिक सहयोग, अग्रणी प्रौद्योगिकियों और वैज्ञानिकों तथा उत्तर डॉक्ट्रेट अनुसंधानकर्ताओं के आदान प्रदान आदि के संवर्धनार्थ नोडल संरचना के रूप में अपने 25 वर्ष पूरे कर लिये गये हैं। दिल्ली में 'सी ई एफ आई पी आर ए' का कार्यालय स्थापित है और वर्तमान में एक केन्द्र का वित्तीय पोषण 3 मिलियन यूरो के वार्षिक स्थायी निधि भारत और फ्रांस के द्वारा प्रत्येक के 1.5 मिलियन यूरो के योगदान के माध्यम से किया जा रहा है। विज्ञान एवं औद्योगिक अनुसंधान परिषद समिति 'सी ई एफ आई पी आर ए' की दो बैठकों के आयेाजन फ्रांस के ग्रेनोबल में मई, 2013 की अवधि में और दूसरी बैठक का आयेाजन भारत के मदुरई में नवम्बर, 2013 की अवधि में किये गये थे। वर्ष, 2013 के अप्रैल माह में 'सी ई एफ आई पी आर ए' द्वारा शुरू किये गये पी एच डी और उत्तर-डॉक्ट्रेट छात्र रमण चार्पक अध्येयतावृत्ति के आदान प्रदान जिसका वित्तीय पोषण भारत के विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग (डी एस टी) तथा फ्रेंच राजदूतावास द्वारा संयुक्त रूप से किया जा रहा है। इस अध्येयतावृत्ति के माध्यम से भारत के 15 पी एच डी छात्रों को फ्रांस में जाने और फ्रांस के 15 पी एच डी छात्रों को भारत में आने 6 माह की अवधि के लिए सक्षम बनाया जायेगा।

रेल के क्षेत्र में सहयेाग :

माननीय राष्ट्रपति श्री हालैण्डे की भारत यात्रा फरवरी, 2013 की अवधि में दोनों देशों के बीच रेल के क्षेत्र में सहयोग के अनुपालन एवं इसे शक्ति प्रदान करने एक संयुक्त वक्तव्य पर भारत के रेल मंत्री माननीय श्री पवन बंसल और फ्रांस की विदेश व्यापार मंत्री माननीया मैडम निकोले ब्रिक, माननीय परिवहन समुद्र एवं मत्स्य मंत्री श्री फ्रेडेरिक कुवीलियर द्वारा हस्ताक्षर किये गये थे। भारतीय रेल और फ्रेंच राष्ट्रीय रेल सोसाइटे नेशनेल डेस चेमिन्स डे फर फ्रेनकाइस (एस एन सी एफ) के बीच तकनीकी क्षेत्र में सहयोग के लिए एक संयुक्त विज्ञप्ति पर हस्ताक्षर भी किये गये थे। दोनों पक्षों से रेल क्षेत्र में सहयोग पर वार्ता करने के लिए प्रतिनिधि मण्डलों के नियमित आदान प्रदान होते रहते हैं।

फ्रांस में भारतीय समुदाय :

भारतीय समुदाय में प्रवासी भारतीयों को सम्मिलित करने पर फ्रांस में भारतीयों की कुल संख्या 106,000 होने का अनुमान है जिसमें व्यापक रूप से पुदुचेरी, क्राइकाल, यानम, माहे और चन्द्रनगर आदि के मूल के लोग सम्मिलित हैं। यहां के रीयूनियन द्वीप में भी भारतीय मूल के लोगों का एक विशाल समुदाय (लगभग 2,50,000), गुवाडेलौपे में (लगभग 57,000), मार्टीनीक्यू (लगभग 6000) और सैंट मार्टिन (लगभग 300) आदि फ्रांस के प्रवासी भारतीय क्षेत्रों/विभागों आदि से सम्मिलित हैं।

अधिक सूचना एवं ताजी जानकारी के लिए भारत के राजदूतावास पेरिस की वेब साइट पर आये : http://www.ambinde.fr/

भारत का राजदूतावास, पेरिस फेसबुक पेज : https://www.facebook.com/pages/Embassy-of-India-Paris/343819845713969

*****

फरवरी, 2014